

खबर संक्षेप



पौधों को राखी बांधकर सुरक्षा की ली जिम्मेदारी

सिलौड़ी। हर वर्ष की तरह इस साल भी सिलौड़ी उप तहसील भवन और हल्का नर्सरी में पौधों को राखी बांधने का आयोजन होगा। संरक्षक कुंज बिहारी ने बताया कि हर साल हम सभी मिलकर पौधों को राखी बांधकर उनकी सुरक्षा का वचन देते हैं। वर्ष 2000 से हल्का नर्सरी में 2000 पेड़ पौधे हरे भरे हैं साथ ही वर्ष 2019 से सिलौड़ी उप तहसील नर्सरी में 700 पेड़ पौधे हरे भरे हरियाली को बढ़ा रहे हैं। जिससे पर्यावरण संरक्षण को बल मिलता है। रक्षाबंधन के अवसर पर भाजपा जिला मंत्री डॉक्टर प्रशांत राय, सिलौड़ी उपसरपंच राहुल राय, संरक्षक कुंज बिहारी चनपुरिया , अतरसुमा सरपंच सुशील परस्ते , धीरज जैन ,ओमप्रकाश ने पेड़ पौधे को राखी बांधकर उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी लिया है।

कजलियां मेला आज से, होंगे सांस्कृतिक कार्यक्रम

कटनी। बारडोली उत्सव समिति के तत्वावधान में कजलियां मेले का आयोजन 29 एवं 30 अगस्त को धूमधाम से किया जाएगा। दो दिवसीय मेले में बच्चों और परिवारों के मनोरंजन के लिए विभिन्न प्रकार के झूले, मिकी माउस, खान-पान के स्टॉल सहित विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। समिति पदाधिकारियों ने बताया कि कजलियां मेला भारतीय सनातन संस्कृति और धार्मिक परंपराओं से जुड़ा महत्वपूर्ण आयोजन है। मेले के माध्यम से सांस्कृतिक एवं धार्मिक परंपराओं को आगे बढ़ाने के साथ लोगों को आपसी मेल-जोल और मनोरंजन का अवसर भी मिलेगा। समिति ने शहरवासियों से मेले में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

चोरो ने हनुमान मंदिर से चांदी का मुकुट किया पाट

कटनी। कोतवाली थाना से महज कुछ दूरी पर स्थित कचहरी न्यायालय परिसर के प्रसिद्ध हनुमान मंदिर में शुक्रवार सुबह भगवान का करीब 22 तोला वजन की चांदी का मुकुट चोरी हो गया। मंदिर के पुजारी अनंत राम मिश्रा ने बताया कि जब वे शुक्रवार सुबह रोजाना की तरह पूजा-अर्चना के लिए मंदिर पहुंचे और पट खोले, तो भगवान के सिर पर लगा चांदी का मुकुट गायब था। उन्होंने तुरंत आसपास तलाश की, लेकिन मुकुट का कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद पुजारी ने तत्काल इसकी सूचना कोतवाली थाना पुलिस को दी। चोरी की सूचना मिलते ही पुलिस बल तुरंत मौके पर पहुंचा और घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। पुजारी की शिकायत के आधार पर पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अब मंदिर परिसर और न्यायालय मार्ग पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है, संदिग्धों की पहचान की जा सके।



स्कूल मॉनिटरिंग में सामने आई शैक्षणिक चुनौतियां, सुधार के लिए तय किए लक्ष्य

हरिभूमि न्यूज ►► कटनी

जिले में स्कूल शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार और परिणाममूलक मॉनिटरिंग के उद्देश्य से कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देश पर जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) कटनी द्वारा विद्यालयों का सतत निरीक्षण एवं शैक्षणिक संवाद किया जा रहा है। डाइट की टीम द्वारा चार विद्यालयों का भ्रमण कर विद्यार्थियों के शैक्षणिक स्तर, शिक्षकों की उपस्थिति, शैक्षिक संसाधनों के उपयोग और विद्यालय प्रबंधन की स्थिति का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान नवीन टिकरिया विद्यालय में कुल 26 विद्यार्थियों में से 6 विद्यार्थी उपस्थित मिले। एक शिक्षक अनुपस्थित थे,

जिले भर में उत्साह के साथ मनाया गया रक्षाबंधन का पर्व, भाईचारे का पर्व कजलियां मिलन आज

बहनों के प्रेम से सजी भाईयों की कलाई, सुख-दुख में साथ निभाने का वचन

हरिभूमि न्यूज ►► कटनी

रक्षाबंधन का पर्व जिले भर में हर्षोल्लास परंपरा के साथ मनाया गया। सुबह से ही भाईयों को राखी रक्षासूत्र बांधने बहनों का आना जाना लगा रहा। घरों में त्यौहारी रौनक भी देखी गई। बहनों ने भाईयों के माथे में हल्दी चावल, कुमकुम का टीका लगाया, सिर में रूमाल रखकर भाई की कलाई में अपने प्रेम की राखी बांधी तथा भाई के दीर्घायु होने की कामना के साथ जीवन भर हर सुख दुख में साथ देने का वचन लिया। तत्पश्चात मिष्ठान खिलाया। इस दौरान भाईयों ने अपनी बहनों को प्रेम स्वरूप उपहार भी प्रदान किया तथा बहनों को हरकदम उनके साथ खड़ा रहने का भरोसा दिलाया। बच्चों से लेकर वयोवृद्ध भाई बहनों में भी उत्साह देखा गया। शोकाकुल परिवारों में पास पड़ोस सहित रिश्तेदारों ने पहुंचकर ढाढस बंधाया। जिले में हर्षोल्लास व शांतिपूर्वक त्यौहार मनाया गया।

बसों में रही भारी भीड़

रक्षाबंधन पर्व को लेकर यात्री वाहनों में भी भारी भीड़ रही। बसों से लेकर तिपहिया वाहनों तक में गंतव्य तक पहुंचने की हर किसी को जल्दी रही।



वाहनों में क्षमता से अधिक सवारी बैठाई गई। भीड़ के चलते यात्रियों को परेशानियों का भी सामना करना पड़ा। बहने अपने भाइयों को राखी बांधने के लिए मायके जा रही हैं। ऐसे में परिवहन के संसाधन जैसे-ट्रेन और बसों में भारी भीड़ रही।कई जगहों पर भाई भी राखी बंधवाने के लिए बहनों के घर जा रहे हैं। कई राखी बंधवाने के लिए कटनी पहुंचे हैं। इसको लेकर कटनी शहर के तीनों मुख्य रेलवे स्टेशनों में कटनी जंक्शन, मुड़वारा रेलवे स्टेशन और साउथ स्टेशन पर यात्रियों की भारी भीड़ देखने को मिल रही है। रक्षाबंधन त्यौहार को लेकर सामान्य से अधिक भीड़ स्टेशनों पर है। इसी तरह बसें भी पूरी तरह फुल चल रही हैं। इसके साथ साथ



बस स्टॉपज पर भा लांगा को खासों भांड देखी जा रही है। सफर करने वाले लोग निर्धारित समय से पहले बस और रेलवे स्टेशन पहुंच गये ताकि वाहन और सीट समय से मिल जाये और किसी तरह की असुविधा का सामना न करना पड़े।

भाईचारे का पर्व कजलियां आज

आपसी प्रेम और भाईचारे का प्रतीक पर्व कजलियां आज मनाया जाएगा। घरों में बोई गई कजलियों को आज शाम नदी, तालाबों में विसर्जन के पश्चात अपने ईष्टदेव को अर्पित करने के उपरांत एक

रक्षाबंधन: सड़कों पर रही भीड़

हरिभूमि न्यूज ►► उमरियापान

सावन माह की पूर्णिमा पर भाई-बहन के अटूट प्रेम और विश्वास का प्रतीक रक्षाबंधन पर्व शुक्रवार को उमरियापान सहित आसपास के क्षेत्र में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सुबह से ही घरों में रक्षाबंधन की तैयारियां शुरू हो गई थीं। लोगों ने पहले मंदिरों और देवालियों में भगवान का पूजन किया और राखी चढ़ाई। बहनों ने शुभ मुहूर्त में भाइयों के माथे पर चंदन-अक्षत का तिलक लगाकर आरती उतारी और राखी बांधकर उनकी लंबी उम्र एवं सुख-समृद्धि की कामना की। भाइयों ने भी बहनों को उपहार भेंट कर उनकी रक्षा का संकल्प लिया। पर्व को लेकर उमरियापान के झंडा चौक, आजाद चौक, न्यू बस स्टैंड, अंधेलीबाग सहित प्रमुख बाजारों में दिनभर चहल-पहल रही। राखी, मिठाई और कपड़ों की दुकानों पर खरीदारों की भीड़ लगी रही।



देर रात तक बाजार गुलजार रहा।

रक्षाबंधन पर भाइयों को राखी बांधने के लिए बहनों के आवागमन के चलते बसों और सड़कों पर भी भीड़ बढ़ गई। बाजार क्षेत्र में दिन में कई बार जाम की स्थिति बनी। पुलिस की मौजूदगी से यातायात व्यवस्था को संभाला गया और आवागमन सुचारू रखने के प्रयास किए गए। पर्व को चहल-पहल रही। राखी, मिठाई और कपड़ों की दुकानों पर खरीदारों की भीड़ लगी रही।

घर में छिपाकर रखी थी 260 पाव देशी अवैध शराब, आबकारी ने की जब्त

हरिभूमि न्यूज ►► कटनी

जिले में अवैध मदिरा के निर्माण, विक्रय एवं परिवहन पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देश पर आबकारी विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में सीएम हेल्पलाइन पर प्राप्त अवैध मदिरा विक्रय की शिकायत की जांच के दौरान आबकारी अमले ने वृत्त कटनी क्रमांक-2 क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए एक आवासीय मकान से 260 पाव देशी मदिरा मसाला जब्त की है। जब्त मदिरा की अनुमानित कीमत 27 हजार रुपये से अधिक बताई गई है।

आबकारी नियंत्रण कक्ष प्रभारी मंशा राम उड़के के नेतृत्व में गठित टीम ने गली नंबर-06, बाल गंगाधर



तिलक वार्ड, इंद्रानगर स्थित आशीष गुप्ता पिता रामचरण बरसड़ाई, उम्र 28 वर्ष के रिहायशी मकान की विधिवत तलाशी ली। तलाशी के

हांका टीम की मुख्य मार्गों के आवारा मवेशियों को पकड़कर भेजा कांजी हाउस

कटनी। नागरिकों को सुगम एवं सुरक्षित आवागमन उपलब्ध कराने तथा सड़कों एवं सार्वजनिक मार्गों पर मवेशियों के कारण उत्पन्न होने वाली असुविधा को रोकने के उद्देश्य से नगर निगम प्रशासन द्वारा निरंतर कार्रवाई की जा रही है। निगम प्रशासन के निर्देशानुसार स्वास्थ्य शाखा की हांका टीम द्वारा नगर के विभिन्न क्षेत्रों में रोजाना भ्रमण कर सड़कों पर विचरण करने वाले मवेशियों को पकड़ने की कार्रवाई की जा रही है। हांका टीम ने विभिन्न मार्गों एवं सार्वजनिक स्थलों पर विचरण कर रहे 14 मवेशियों को पकड़कर अमीरगंज स्थित कांजी हाउस भेजा। कार्रवाई के दौरान टीम द्वारा ऐसे स्थानों पर विशेष निगरानी रखी गई, जहां मवेशियों के कारण यातायात प्रभावित होने अथवा दुर्घटना की स्थिति निर्मित होने की संभावना रहती है। नगर निगम प्रशासन का उद्देश्य केवल मवेशियों को पकड़ना ही नहीं, बल्कि शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के साथ नागरिकों और वाहन चालकों को सुरक्षा सुनिश्चित करना भी है। निगम द्वारा पशुपालकों से भी अपील की जा रही है कि वे अपने मवेशियों को खुला न छोड़ें और उनकी उचित व्यवस्था सुनिश्चित करें, ताकि सार्वजनिक मार्गों पर आवागमन बाधित न हो तथा शहर में सुरक्षित एवं व्यवस्थित यातायात व्यवस्था बनी रहे।

समय से करें व्यवस्थाएं ताकि किसी तरह की न हो कोई परेशानी

हरिभूमि न्यूज ►► कटनी

निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार ने कजलिया मेले के आयोजन को लेकर नगर पालिक निगम कटनी से संबंधित आवश्यक व्यवस्था को सुनिश्चित करने के लिए उपायुक्त शैलेश गुप्ता को प्रभारी नियुक्त करते हुए विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों को दायित्व सौंपे हैं। अध्यक्ष,सचिव, बारडोली उत्सव समिति, कटनी के पत्र के अनुक्रम में 29 एवं 30 अगस्त को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से निगम प्रशासन द्वारा व्यवस्था की जिम्मेदारियां निर्धारित

पैरा पावर लिफ्टिंग में स्वर्ण पदक जीतने पर किया सम्मान



अंतर्राष्ट्रीय पैरा पावर वेटलिफ्टिंग में कटनी के लाल शुभम चक्रवर्ती ने सोवियत संघ के मास्को मे आयोजित प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर नगर के साथ ही देश का परचम विश्व में लहराया है। इस प्रतियोगिता में विश्व के सभी देशो के पैरा वेट लिफ्टरो ने शिरकत की थी। शुभम की इस उपलब्धि पर सुखन उस्ताद अखाड़ा गायत्री योगानुसंधान केन्द्र के सदस्यों ने ढोल नगाड़ों की आगवानी के साथ उनका भव्य सम्मान किया। अखाड़ा के अध्यक्ष राजकुमार कांचकार, योगकेन्द्र के अध्यक्ष मनोज नौगरहिया ने पुष्पहार और फाड़ी पहनाकर उनका सम्मान किया उन्हें प्रशस्ति पत्र प्रदान करते हुए मथुरा प्रसाद सोनी, राकेश यादव ने उनकी इस उपलब्धि पर भुरी भुरी प्रशंसा की। शुभम ने जीत के इस यादगार पल को याद करते हुए बताया कि पौडियम पर खड़े होकर भारत के राष्ट्रगान को सुनना ऐसा महसूस हुआ कि मेरा जीवन सार्थक हो गया है। चंदकिशोर चंदन ने कहा कि शुभम की इस सफलता से कटनी के अन्य खिलाड़ी भी प्रेरणा लेकर आगे बढ़ेंगे।

कजलिया मेले की तैयारियों एवं दधिकांदो महोत्सव शोभायात्रा के लिये सौंपे दायित्व

की गई हैं।

मेले के दौरान स्वच्छता व्यवस्था के तहत पर्याप्त डस्टबिन एवं सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा सार्वजनिक स्थलों पर कचरा न फैलने देने के लिए निगरानी रखी जाएगी। वहीं नागरिकों की सुविधा और रात्रिकालीन आवागमन को ध्यान में रखते हुए सड़क प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिए गए हैं। पेयजल की उपलब्धता के लिए पानी टैंकर की व्यवस्था के साथ ही पहुंच मार्गों पर मौजूद गड्ढों की आवश्यक मरम्मत कराने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिए गए हैं। निगमायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को सौंपे गए दायित्वों का समय पर निर्वहन सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया है, ताकि मेले में आने वाले श्रद्धालुओं एवं

नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो और आयोजन स्थल पर स्वच्छ, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित वातावरण बना रहे।

6 सितंबर को शोभायात्रा

72वें दधिकांदो महोत्सव के अवसर पर 6 सितंबर को प्रस्तावित भगवान मुरली मनोहर की शोभायात्रा को लेकर नगर पालिक निगम कटनी ने तैयारियां तेज कर दी हैं। श्रद्धालुओं एवं नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार ने शोभायात्रा मार्ग पर आवश्यक व्यवस्था की जिम्मेदारी निगम के संबंधित अधिकारियों को सौंपी है।

निगम आयुक्त तपस्या परिहार द्वारा जारी आदेश के तहत शोभायात्रा मार्ग पर विशेष साफ-

सफाई, शोभायात्रा रूट, स्वागत स्थलों पर पर्याप्त वॉलेंटियर्स एवं डस्टबिन की व्यवस्था, स्ट्रीट लाइट व्यवस्था तथा शुद्ध पेयजल के लिए ध्यान में रखते हुए सड़क प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिए गए हैं।

शोभायात्रा श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर से प्रारंभ होकर सुभाष चौक, खेरमाई मंदिर, केपीसंस चौराहा, घंटाघर, गंग चौराहा, हरेश्वर मंदिर, बड़े गणेश मंदिर, गोलबाजार, रामलीला मैदान, कमनिवा गेट, हनुमान मंदिर, सुभाष चौक, कपड़ा बाजार एवं जवाहर चौक होते हुए पुनः लक्ष्मीनारायण मंदिर पहुंचेंगी। निगम प्रशासन द्वारा संबंधित अमले को सौंपे गए दायित्वों का पालन करने हेतु निर्देशित किया गया है।

भगवान बांके बिहारी को झुलाया झूला सिंहवाहिनी मंदिर मे हुए विविध कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ►► कटनी

सावन मास की पूर्णिमा यानि रक्षा बंधन के साथ श्रावण माह समापन हो गया। सावन माह में शिवालयों व मंदिरों में धार्मिक कार्यक्रम आयोजित हुए। स्लीमनाबाद स्थित सिंहवाहिनी मंदिर मे महिला मंडल की सदस्यों के द्वारा सावन मास में प्रतिदिन रामचरित मानस पाठ का आयोजन किया गया।सावन मास की समाप्ति पर श्रावण मास का झूला डाला गया।जिसमें भगवान बांके बिहारी को झूला झुलाया गया। इस दौरान विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। मंदिर मैं महिला मंडल की सदस्यों के द्वारा 56 प्रकार के भोग अर्पित किए गए।साथ ही भजन कीर्तन



कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

सावन मास समाप्ति पर पूजा अर्चना कर सुख समृद्धि की कामना की गई।इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओ की भीड़ रही। महिला मंडल की सदस्य मनोमरा त्रिपाठी, उपमा त्रिपाठी, सरिता त्रिपाठी, कृष्णा तिवारी ने बताया कि सावन में भगवान को झूला झूलने का बड़ा

महत्व है। यह परंपरा सदियों से चली आ रही है। जो व्यक्ति भगवान को झूला झुलाता है, वह सभी प्रकार के कष्ट से दूर हो जाता है। कहा जाता है कि भगवान श्री कृष्ण ने राधा रानी को सावन में झूला झुलाया था। तब से यह परंपरा चली आ रही है, और हर कोई सावन में झूला झुलता है।



खबर संक्षेप



जातिगत अपमान एवं धमकी देने पर मामला दर्ज

बड़वारा। जातिगत अपमान तथा घर में घुसकर जान से मारने की धमकी देने के मामले में सामाजिक प्रतिनिधियों एवं प्रबुद्ध जनों की एक विशाल आपात बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में उपस्थित सभी सामाजिक कार्यकर्ताओं व नागरिकों ने इस अपराधिक व अमानवीय कृत्य पर गहरा आक्रोश व्यक्त करते हुए समाज के स्वभिमान की रक्षा के लिए आर-पार की कानूनी लड़ाई लड़ने का संकल्प लिया। बैठक संपन्न होते ही जय सूर्यवंशी और गणेंद्र अहिंवा की अगुवाई में दर्जनों सामाजिक साथी एकजुट होकर बड़वारा थाना पहुंचे और पुलिस प्रशासन के समक्ष कड़ा विरोध दर्ज कराते हुए आरोपी की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। इस अवसर पर मुख्य रूप से बबलू चौधरी, अरविंद सिंह, ओमकार, अमित, सिद्धार्थ, राहुल, विजय, अजय, मुकेश आदि सैकड़ों साथियों की गरिमामयी मौजूदगी रही, जिन्होंने एकजुट होकर न्याय की मांग उठाई। पुलिस ने ग्राम खरेहटा निवासी आरोपी शिवम बर्मन के खिलाफ धारा 296(b), धारा 351(2) SC/ST Act: धारा 3(1)(द), धारा 3(1)(ख), धारा 3(2)(va) के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण



कटनी। जिला प्रशासन द्वारा विकासखंड कटनी के ग्राम कन्हवारा में आयोजित मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत आयोजित शिविर के दौरान मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड कटनी के द्वारा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कन्हवारा में एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत नवाकुर संस्था बारडोली वेलफेयर सोसाइटी कटनी के द्वारा आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम में कलेक्टर आशीष तिवारी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती हरप्रीत सिमरन कौर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी अनुराग मोदी, एसडीएम जितेंद्र पटेल, कुठला थाना प्रभारी अखिलेश दहिया, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ राज सिंह, जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रदीप कुमार सिंह, जन अभियान परिषद के विकासखंड समन्वयक बालमुकुंद मिश्र, बारडोली वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष राम लखन चौधरी समाजसेवी रामजी मिश्रा, परामर्शदाता रामानुज पांडेय, शिवकुमार चौधरी, सेक्टर प्रभारी गनपत लाल कोल, श्रीमती माया गुप्ता, हरिशंकर दहिया सहित विभिन्न जिला स्तरीय एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों के द्वारा पौधारोपण किया गया। जिसमें 15 कसम के पौधे रोपित किए गए।

जिले में अब तक 676.0 मिमी औसत वर्षा दर्ज कटनी। जिले में 1 जून से 28 अगस्त तक कुल 676.0 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। विदित हो कि पिछले आलोच्य अवधि के दौरान सबसे अधिक औसत वर्षा तहसील स्लीमनाबाद में दर्ज की गई है, जहाँ अब तक 991.4 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गयी है।अधीक्षक भू-अभिलेख मुन्ना लाल तिवारी ने बताया कि जिले में इस अवधि में कटनी तहसील में 605.8 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। रीठी में 798.7 मिलीमीटर, बड़वारा में 443.5 मिलीमीटर, बरही तहसील में 514.8 मिमी और विजयराघवगढ़ तहसील में 666.6 मिलीमीटर, बहरीबंद में कुल 638.7 मिलीमीटर एवं स्लीमनाबाद तहसील में 991.4 मिलीमीटर तथा ढीमरखंडा तहसील में 743.7 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है।

विजयराघवगढ़ अनुविभाग की दुकानों में घपलेबाजी, तीन दुकानें हुई निलंबित

गरीबों के हक का निवाला डकार रहे विक्रेता 3 दुकानों में 650 क्विंटल खाद्यान्न खुद-बुद



गरीब और जरूरतमंद परिवारों के लिए शासन द्वारा उपलब्ध कराए जाने वाले सार्वजनिक वितरण प्रणाली की शासकीय उचित मूल्य दुकानों में किसी भी तरह की अनियमितता को बर्दाश्त नहीं करने के कलेक्टर आशीष तिवारी द्वारा दिए गए निर्देश के पालन में खाद्यान्न खुद-बुद करने वाली राशन दुकानों के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है।

कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देश पर सार्वजनिक वितरण प्रणाली की दुकानों की निगरानी और आकस्मिक जांच और कार्यवाही का सिलसिला जारी है।इसी क्रम में विजयराघवगढ़ अनुविभाग में तीन शासकीय उचित मूल्य दुकानों को निलंबित किया गया है। इन दुकानों की जांच में गेहूँ, चावल और नमक के स्टॉक में गंभीर अनियमितताएं सामने आईं तथा बड़ी मात्रा में खाद्यान्न के अपयोजन के प्रकरण पाए गए।

इन दुकानों में मिली गड़बड़ी

कलेक्टर के निर्देश पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व विजयराघवगढ़ विवेक

गुप्ता के नेतृत्व में कैमोर एवं आसपास के क्षेत्रों में उचित मूल्य दुकानों की आकस्मिक जांच कराई गई। सहायक आपूर्ति अधिकारी विजयराघवगढ़ जितेन्द्र बर्मन के जांच प्रतिवेदन के आधार पर संबंधित दुकानों के विरुद्ध निलंबन की कार्रवाई की गई। भटिया मोहल्ला, कैमोर स्थित शासकीय उचित मूल्य दुकान क्रमांक 4208004 की जांच में विक्रेता,प्रबंधक मनोज मिश्रा के विरुद्ध गंभीर अनियमितताएं पाई गईं। जांच के दौरान गेहूं 73.84 क्विंटल, चावल 48.56 क्विंटल एवं नमक 6.64 क्विंटल के अपयोजन का मामला सामने आया।खलवारा बाजार स्थित

उचित मूल्य दुकान क्रमांक 4208003 में विक्रेता,प्रबंधक राजेश मिश्रा के स्तर पर गंभीर अनियमितता पाई गई। यहां गेहूं 175.31 क्विंटल, चावल 118.08 क्विंटल एवं नमक 13.19 क्विंटल के अपयोजन का प्रकरण निर्मित किया गया।इसी तरह अमरैया पार स्थित उचित मूल्य दुकान क्रमांक 4208002 की जांच में विक्रेता,प्रबंधक मनोज मिश्रा के विरुद्ध कार्रवाई की गई। जांच में गेहूं 146.08 क्विंटल, चावल 89.58 क्विंटल एवं नमक 11.11 क्विंटल के अपयोजन का मामला सामने आया।इस प्रकार तीनों दुकानों में मिलाकर गेहूं, चावल और नमक की बड़ी

मात्रा में अनियमितता सामने आई है। कलेक्टर के सख्त निर्देश की वजह से जांच प्रतिवेदनों के आधार पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व विजयराघवगढ़ द्वारा तीनों उचित मूल्य दुकानों को निलंबित किया गया है।जिला प्रशासन ने कार्रवाई के साथ यह भी सुनिश्चित किया कि दुकान निलंबित होने से किसी पात्र उपभोक्ता को राशन लेने में परेशानी न हो।इसी उद्देश्य से निलंबित उचित मूल्य दुकानों को जय माँ वीरासनी प्राथमिक उपभोक्ता सहकारी भंडार, विजयराघवगढ़ द्वारा संचालित उचित मूल्य दुकान से संलग्न किया गया है, ताकि संबंधित उपभोक्ताओं को राशन वितरण निर्बाध रूप से मिलता रहे।

कालाबाजारी नहीं होगी बर्दाश्त

कलेक्टर आशीष तिवारी ने कहा है कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत राशन की कालाबाजारी अथवा किसी भी प्रकार की अनियमितता को गंभीरता से लिया जायेगा और इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।। इस मामले में जीरो टालरेंस की नीति पर अमल करते हुए गड़बड़ी करने वाले विक्रेताओं के विरुद्ध कार्रवाई का सिलसिला जारी रहेगा।

जैव संसाधन केन्द्र बना ग्रामीण आजीविका सशक्तिकरण की मिसाल

हरिभूमि न्यूज ►► कटनी

बड़वारा विकासखंड के ग्राम पंचायत पठरा स्थित बजरंग गौशाला में संचालित बजरंग जैव संसाधन केंद्र (बीआरसी) स्थानीय प्राकृतिक संसाधनों के सतत प्रबंधन और ग्रामीण आजीविका सशक्तिकरण की दिशा में सामुदायिक पहल के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। केंद्र द्वारा स्थानीय संसाधनों का बेहतर उपयोग करते हुए छोटे एवं सीमांत किसानों को जैविक कृषि से जोड़ते हुये उन्हें उचित मूल्य पर जैविक खाद एवं जैविक दवाइयों उपलब्ध कराई जा रही है। उपसंचालक कृषि खेलावन डेहरिया ने बताया कि बजरंग जैव संसाधन केंद्र (बीआरसी) द्वारा जैविक खाद एवं जैविक दवाइयों के

प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग से किसानों को मिली जैविक खाद-दवाइयां, स्थानीय रोजगार



उत्पादन और बाजार के बीच की दूरी को कम करने के लिए किसानों को तकनीकी मार्गदर्शन एवं प्रशिक्षण दिया जा रहा है। स्थानीय स्तर पर उपलब्ध संसाधनों से जैविक खाद और दवाइयां तैयार करने, उनकी गुणवत्ता, पैकेजिंग एवं भंडारण की जानकारी भी उपलब्ध कराई जाती है।

केंद्र का संचालन कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, कटनी तथा मानव जीवन विकास समिति के सामूहिक तत्वावधान में किया जा रहा है। कृषि विभाग द्वारा वित्तीय सहयोग दिया जा रहा है, जबकि मानव जीवन विकास समिति केंद्र के संचालन, तकनीकी सहयोग एवं प्रबंधन की जिम्मेदारी संभाल रही है।

65 किसानों ने लिया लाभ

उपसंचालक कृषि श्री डेहरिया ने बताया कि केंद्र में फसल की आवश्यकता और मौसम के अनुसार 16 प्रकार की जैविक खाद एवं जैविक कीटनाशक तैयार कर उपलब्ध कराए जाते हैं। किसान अपनी आवश्यकता के अनुसार यहां से जैविक खाद एवं दवाइयां प्राप्त कर रहे हैं। कृषि विभाग के सहयोग से संचालित (एनएमएनएफ) योजना के अंतर्गत पठरा एवं रोहनिया के दो क्लस्टरों के करीब 250 किसान इस केंद्र से जुड़े हुए हैं। वर्तमान मौसम में अब तक 65 किसान बीआरसी से जैविक खाद एवं दवाइयां प्राप्त कर चुके हैं और अन्य किसानों को भी जैविक उत्पादों के उपयोग के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

शुभ मुहूर्त में बांधी गई राखी, दिन भर बनी रही चहल पहल

हरिभूमि न्यूज ►► ढीमरखंडा

भाई-बहन के अटूट प्रेम, स्नेह और विश्वास का प्रतीक रक्षाबंधन पर्व क्षेत्र में हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। सुबह से ही घरों में पर्व को लेकर विशेष तैयारियां देखने को मिलीं। बहनों ने भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर उनकी लंबी उम्र, सुख-समृद्धि और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वहीं भाइयों ने भी बहनों की रक्षा का संकल्प लेते हुए उन्हें उपहार भेंट किए। रक्षाबंधन पर्व को लेकर बाजारों में भी विशेष रौनक देखने को मिली। राखी, मिठाई, कपड़े, पूजा सामग्री और उपहारों की दुकानों पर दिनभर लोगों की भीड़ आई। विभिन्न प्रकार की रंग-बिरंगी राखियों ने लोगों को आकर्षित किया। बच्चों में भी पर्व को लेकर

बहनों ने राखी बांधायों के दीर्घायु होने की कामना, साथ निभाने का लिया संकल्प



खासा उत्साह नजर आया। बहनों ने अपने भाइयों की पसंद के अनुसार विशेष राखियां खरीदीं, जबकि भाइयों ने भी बहनों के लिए उपहार एवं मिठाइयों की खरीदारी की। पर्व के अवसर पर सुबह से ही बहनें नए वस्त्र पहनकर भाइयों के घर पहुंचीं। शुभ मुहूर्त में भाइयों को तिलक लगाकर आरती उतारी गई और उनकी कलाई पर राखी बांधी गई। इसके बाद भाइयों ने बहनों को

एवं अन्य यात्री वाहनों में भी यात्रियों की संख्या सामान्य दिनों की अपेक्षा अधिक दिखाई दी। दूर-दराज रहने वाली बहनों ने अपने भाइयों के घर पहुंचकर राखी बांधी। वहीं जो बहनें किसी कारणवश अपने भाइयों तक नहीं पहुंच सकीं, उन्होंने राखी और शुभकामनाएं भेजकर भाई-बहन के रिश्ते की परंपरा निभाई। रक्षाबंधन केवल राखी बांधने का पर्व नहीं, बल्कि भाई-बहन के बीच प्रेम, विश्वास और जिम्मेदारी को मजबूत करने का अवसर भी है। बदलते समय के बावजूद इस पर्व की परंपरा और महत्व आज भी कायम है। आधुनिक जीवनशैली के बीच भी परिवार के सदस्यों ने एक साथ बैठकर पर्व मनाया और पुरानी परंपराओं को आगे बढ़ाया। पूरे दिन घरों में मिठाइयों का दौर चलता रहा।

स्कूलों, मंदिरों, गौशालाओं और जेल में होंगे विशेष कार्यक्रम

पर्यावरण संरक्षण, कृषि व गौ संवर्धन आधारित कार्यक्रमों का होगा आयोजन

हरिभूमि न्यूज ►► कटनी

बलराम जयंती एवं श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर जिले में विविध गतिविधियों एवं कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। पर्वों को सामाजिक समरसता, प्रकृति एवं पर्यावरण संरक्षण, कृषि, गौ-संवर्धन तथा भारतीय संस्कृति से जोड़ते हुए कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कलेक्टर आशीष तिवारी ने इसके लिए संबंधित विभागों को आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। 2 सितंबर को बलराम जयंती के अवसर पर कृषि से जुड़े पारंपरिक कलाकृतियों की प्रस्तुतियों के साथ आधुनिक कृषि उपकरणों, उन्नत बीज एवं प्राकृतिक खेती पर केन्द्रित प्रदर्शनी तथा संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कलेक्टर ने

किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग तथा संस्कृति विभाग को आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

जन्माष्टमी पर स्कूलों में होंगी विभिन्न प्रतियोगिताएं

4 सितंबर को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी जिले में व्यापक स्तर पर मनाई जाएगी। स्कूलों में मटकी एवं बांसुरी प्रतियोगिता, जीवंत झांकियों का निर्माण, श्रीकृष्ण से जुड़े प्रसंगों पर तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता तथा छोटे बच्चों को भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप में तैयार कर विशेष प्रस्तुतियां आयोजित की जाएंगी। जिले के श्रीकृष्ण मंदिरों, मठों एवं देवालयों में विशेष श्रृंगार किया जाएगा तथा सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता अभियान चलाए जाएंगे। मटकी सजा एवं

मटकी फोड़ प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता, स्थानीय कलाकारों द्वारा बांसुरी वादन, भजन गायन तथा श्रीकृष्ण जन्म, वृंदावन, गोवर्धन पूजा एवं गीता उपदेश पर आधारित जीवंत झांकियां आकर्षण का केन्द्र रहेंगी। इसके साथ ही दीप प्रज्वलन एवं सामूहिक आरती जैसे कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।

बच्चों के लिए विशेष पोषण एवं स्वास्थ्य शिविर

जिले में 29 अगस्त से 4 सितंबर तक बच्चों के लिए विशेष पोषण एवं स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे। आंगनवाड़ी केन्द्रों एवं प्राथमिक शालाओं में जन्माष्टमी के अवसर पर बच्चों के विशेष पोषण के लिए भोजन व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाएगी। जिला जेल में भगवान श्रीकृष्ण

पर केन्द्रित कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। गौशालाओं में साफ-सफाई, गौपूजन एवं गौ-रक्षासूत्र बांधने के साथ स्वास्थ्य परीक्षण शिविर भी लगाए जाएंगे। जनजातीय क्षेत्रों के छात्रावासों एवं आश्रम शालाओं के विद्यार्थियों को भजन प्रतियोगिता, श्रीकृष्ण वेशभूषा एवं चित्रकला जैसी गतिविधियों में शामिल किया जाएगा। जनजातीय एवं ग्राम संस्कृति से जुड़े बांसुरी वादन तथा मोरपंख के उपयोग जैसे सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं भी गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। कलेक्टर श्री तिवारी ने श्रीकृष्ण से जुड़े विविध प्रसंगों एवं आख्यानों के माध्यम से शिक्षा, संस्कृति, कृषि, गौ एवं पशुधन संवर्धन से संबंधित संदेशों का प्रसार करने तथा युवाओं को इन गतिविधियों से जोड़ने के

इंडिया स्किल्स कम्पटीशन के लिये 15 सितंबर तक कर सकेंगे निःशुल्क पंजीयन

युवाओं को मिलेगा जिला से राष्ट्रीय स्तर तक आगे बढ़ने का मौका

हरिभूमि न्यूज ►► कटनी

मध्यप्रदेश राज्य कौशल विकास एवं रोजगार निर्माण बोर्ड, भोपाल द्वारा युवाओं के कौशल को नई पहचान और बेहतर अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से इंडिया स्किल्स कम्पटीशन 2026-28 के लिए पंजीयन एवं जागरूकता अभियान शुरू किया गया है। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में पंजीयन की अंतिम तिथि 15 सितंबर निर्धारित की गई है। पंजीयन पूर्णतः निःशुल्क है। शासकीय आईटीआई कटनी के प्राचार्य देवेश कुमार मिश्रा ने बताया कि युवाओं में प्रतियोगिता के प्रति जागरूकता बढ़ाने एवं अधिक से अधिक पंजीयन सुनिश्चित करने के लिए प्रदेश के विभिन्न संभागों में जौनल, डिबीजनल अवेयरनेस वर्कशॉप्स आयोजित की जा रही हैं। इन कार्यशालाओं में युवाओं को प्रतियोगिता की प्रक्रिया, पात्रता, विभिन्न स्किल्स, पंजीयन प्रक्रिया और प्रतियोगिता के अलग-अलग चरणों की जानकारी दी जाएगी।

लगेगे रजिस्ट्रेशन फैंस

जिले में इंडिया स्किल्स रजिस्ट्रेशन एन्ड मोबिलाइजेशन

कैंपेन के अंतर्गत शासकीय एवं निजी आईटीआई, स्कूल, कॉलेज तथा अन्य उपयुक्त सार्वजनिक स्थानों पर अवेयरनेस-क्लम -रजिस्ट्रेशन कैंप्स आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों में युवाओं को प्रतियोगिता की जानकारी देने के साथ ही एसआईटीएच पोर्टल पर मौके पर ही पंजीयन कराने के लिए तकनीकी सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। बोर्ड द्वारा शासकीय एवं निजी आईटीआई, पॉलिटेक्निक, इंजीनियरिंग कॉलेज, विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय, स्कूल, उद्योग तथा प्रशिक्षण केन्द्रों के साथ समन्वय कर प्रतिभाशाली युवाओं की पहचान की जाएगी। युवाओं को प्रतियोगिता में स्किल सिलेक्शन एवं एलजिबिलिटी के संबंध में भी उचित मार्गदर्शन दिया जाएगा। प्राचार्य ने जिले के सभी पात्र युवाओं से अनुरोध किया है कि वे 15 सितंबर 2026 की अंतिम तिथि से पहले इंडिया स्किल्स कम्पटीशन 2026-28 में निःशुल्क पंजीयन कर अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। यह प्रतियोगिता युवाओं को अपने हुनर का प्रदर्शन करने और जिला स्तर से राष्ट्रीय स्तर तक आगे बढ़ने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करती है।

महंगाई के विरोध में कांग्रेस ने शवयात्रा निकाल किया प्रदर्शन



ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बड़वारा द्वारा बढ़ती महंगाई, अधोषिit बिजली कटौती एवं पेट्रोल-डीजल की आसमान छूती कीमतों के विरोध में शव यात्रा निकाल कर विरोध प्रदर्शन किया गया एवं तहसीलदार बड़वारा को ज्ञापन दिया गया। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष विकास निगम ने सरकार पर आरोप लगाये की ये सरकार अमेरिका के दबाव में डीजल पेट्रोल महंगा खरीद कर इथेनॉल को बढ़ावा दे रही है जिससे किसानों को तो फायदा नहीं है ऊपर से शक्कर के दाम बढ़ रहे है ये सरकार हर मोर्चे पर फिफल है बस लोगों को आपस में लड़ा कर पूंजीपतियों को फायदा पहुंचा रही है। इस दौरान विकास निगम, पूर्व विधायक विजयराघवेन्द्र सिंह, अजय सिंह ,नारायण तिवारी, जिलाध्यक्ष आदिवासी कांग्रेस ऑफ़र सिंह तेकाम, सदीप गुप्ता शैलेश जायसवाल अध्यक्ष युवा कांग्रेस,रामकृपाल शर्मा ऑफ़र गौतम अंशुल राजपूत रवि बैरामी डॉ राजेश सिंह चौहान वृंदावन पटेल पुष्पारा पटेल बेनी प्रसाद पटेल सहित कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही ।

रक्षाबंधन पर जिला जेल में भावुक हुआ माहौल, 200 से अधिक बहनों ने कैदी भाइयों को बांधी राखी

बारिश में भी नहीं रुका बहनों का प्यार जेल में भाइयों की कलाई पर सजी राखियां



हरिभूमि न्यूज़ ►► **दमोह**

रक्षाबंधन के पर्व पर शुक्रवार को जिला जेल दमोह में भाई-बहन के प्रेम और भावनाओं का मार्मिक दृश्य देखने को मिला। सुबह से हो रही बारिश के बावजूद बहनें अपने कैदी भाइयों से मिलने जेल पहुंचीं। बारिश थमने के बाद मुलाकात के दौरान बहनों ने भाइयों की कलाई पर राखी बांधी तो कई बहनों की आंखें नम हो गईं। भाई-बहन एक-दूसरे से गले मिले और भावुक होकर रो पड़े। इस दृश्य ने जेल परिसर में मौजूद हर

व्यक्ति को भावुक कर दिया। जेल विभाग के निदेशानुसार उप जेल अधीक्षक एमएल पटेल के नेतृत्व में रक्षाबंधन पर विशेष व्यवस्थाएं की गई थीं। जेल निरीक्षक रोहित सिंह, प्रीतम सिंह, सचिन, पुष्पेंद्र, कुलदीप, सत्यवती सहित जेल स्टाफ व्यवस्था में जुटा रहा। रक्षाबंधन के अवसर पर 200 से अधिक बहनों ने अपने कैदी भाइयों की कलाई पर राखी बांधी। बहनों ने दिलाया सुधार का संकल्प जेल की निर्धारित गाइडलाइन के अनुसार बहनों को 250 ग्राम मिठाई,

राखी और रुमाल अंदर ले जाने की अनुमति थी। कई बहनें भाइयों के लिए वस्त्र भी लेकर पहुंचीं। राखी बांधते समय बहनों ने भाइयों से कहा कि अब कोई गलती नहीं करना और अच्छे रास्ते पर चलना। वहीं भाइयों ने भी बहनों को भविष्य में गलतियां न दोहराने का वचन दिया। बहनों ने भाइयों को ढाढ़स बंधाते हुए कहा कि वे चिंता न करें। खास बात यह रही कि जेल में बंद कुछ बहनों के भाइयों ने भी जेल पहुंचकर अपनी बहनों को राखी बांधी। इससे जेल में रक्षाबंधन का माहौल और भी

मंचन किया। इसके अलावा अन्य धार्मिक एवं प्रेरणादायक नाटिकाएं भी प्रस्तुत की गईं। विद्यार्थियों ने अपनी कला के माध्यम से धर्म, संस्कार और संस्कृति का संदेश दिया।कार्यक्रम में चातुर्मास समिति की ओर से प्राचार्य विनय भैया का सम्मान किया गया तथा सभी विद्यार्थियों को पारितोषिक वितरित किए गए। इस अवसर पर मीना एवं विनय जैन के परिवार द्वारा रक्षाबंधन पर आकर्षक मानसंतभ वाली राखी मुनिश्री के चरणों में समर्पित की गई। धर्म-संस्कारों से युवा पीढ़ी को जोड़ना जरूरी मुनिश्री सुश्रुत सागर जी महाराज ने मंगल प्रवचन में कहा कि रक्षाबंधन का दिन धर्म और संस्कृति की रक्षा का दिवस है। मुनियों और धर्म की रक्षा के लिए युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाना आवश्यक है।

उमरा के मुकदस सफर पर रवाना हुए जायरीन, जगह-जगह हुआ स्वागत



बटियागढ़। करछे के अमजद व जुली खान के वालिद जलील अहमद व बंडा निवासी रमजान खान, अलीसा व हिना खान उमरा की अद्वयगी के लिए मुकद्दस सफर पर शुक्रवार को रवाना हुए। इस मौके पर समाज के लोगों ने उत्साह और अकींदत के साथ उनका इस्त्कबाल किया। फूल-मालाएं पहनाकर उन्हें मुबारकबाद दी गई और जुलूस की शव्ल में रवाना किया गया। निवास स्थल से जुलूस मुख्य बाजार से होता हुआ घनश्यामपुरा स्थित दरगाह शरीफ पहुंचा। रास्ते में जगह-जगह लोगों ने फूल-मालाओं से इस्त्कबाल किया। दरगाह पर पहुंचकर फातिहा खानी की गई। इसके बाद जायरीन को उमरा के लिए रवाना किया गया। इस दौरान समाज के लोगों ने कहा कि यह सफर बड़ी खुशकिस्मती और साआदत का मौका है। लोगों ने जायरीन से अपने लिए, परिवार, समाज और मुल्क में अमन, खुशहाली व तरक्की के लिए ख़ास दुआ करके की गुजारिश भी की।

केन नदी पुल की बदहाली, बड़े-बड़े गड्ढों में समाई सड़क, हादसे का इंतजार कर रहा प्रशासन

पन्ना। छतरपुर-पन्ना मार्ग को जोड़ने वाले केन नदी पुल की बदहाल स्थिति इन दिनों राहगीरों के लिए परेशानी और खतरे का कारण बनी हुई है। पुल की सड़क पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं, जिनमें बारिश का पानी भरने से वाहन चालकों को गड्ढों की गहराई का अंदाजा तक नहीं लग पाता। ऐसे में दोपहिया वाहन चालकों के साथ-साथ कार और अन्य वाहनों के दुर्घटनाग्रस्त होने का खतरा बना हुआ है। पुल से सामने आई तस्वीरों में सड़क की हालत बेहद खराब दिखाई दे रही है। कई स्थानों पर डामर उखड़ चुका है और सड़क की सतह पूरी तरह टूट गई है। बारिश के बाद गड्ढों में पानी भर जाने से स्थिति और भी गंभीर हो जाती है। वाहन चालक मजबूरी में इन गड्ढों से बचते हुए वाहन निकालते नजर आते हैं। बताया जा रहा है कि यह मार्ग छतरपुर और पन्ना के बीच आवागमन का महत्वपूर्ण रास्ता है। रोजाना बड़ी संख्या में छोटे-बड़े वाहन इस पुल से गुजरते हैं। ऐसे में सड़क की खराब हालत किसी बड़े हादसे को च्योता दे रही है। वर्ष 2025 में भी केन नदी पुल की स्थिति को लेकर सवाल उठाते हुए इसकी वास्तविक हालत सामने लाई गई थी। जलस्तर बढ़ने के बीच भी जारी आवागमन बारिश के मौसम में केन नदी का जलस्तर बढ़ने



के कारण पुल की सुरक्षा और सड़क की स्थिति को लेकर चिंता और बढ़ जाती है। पूर्व में भी छतरपुर जिले में भारी बारिश के दौरान केन सहित कई नदियों का जलस्तर बढ़ने और विभिन्न पुल-पुलियाओं पर आवागमन प्रभावित होने की स्थिति सामने आ चुकी है। ऐसे में सवाल यह है कि जब पुल की सड़क पर इतने बड़े गड्ढे मौजूद हैं और

बारिश के कारण पानी भर रहा है, तो जिम्मेदार विभाग द्वारा तत्काल मरम्मत क्यों नहीं कराई जा रही है? यदि समय रहते गड्ढों की मरम्मत और सड़क की आवश्यक सुधार कार्रवाई नहीं की गई तो किसी दिन गंभीर हादसा हो सकता है।

जिम्मेदार विभाग से तत्काल मरम्मत की मांग

स्थानीय लोगों और वाहन चालकों का कहना है कि पुल जैसे महत्वपूर्ण मार्ग पर सड़क की ऐसी स्थिति लंबे समय तक स्वीकार्य नहीं हो सकती। संबंधित विभाग को मौके का निरीक्षण कर गड्ढों को तत्काल भरवाने, सड़क की मरम्मत कराने और पुल की सुरक्षा व्यवस्था की जांच कराने की जरूरत है। राहगीरों का कहना है कि प्रशासन को किसी बड़े हादसे का इंतजार करने के बजाय समय रहते कार्रवाई करनी चाहिए। खासकर बारिश के दौरान पुल पर पर्याप्त चेतावनी संकेत और सुरक्षा इंतजाम किए जाने चाहिए, ताकि वाहन चालकों को खतरे वाले हिस्सों की जानकारी मिल सके। अब देखना यह है कि जिम्मेदार विभाग इस जर्जर सड़क की सुध कब लेता है और लोगों की जान जोखिम में डालने वाले इन गड्ढों से कब राहत मिलती है।

जेके सीमेंट ने की अभिनव पहल

अमानगंज। पवित्र पर्व रक्षाबंधन के अवसर पर जेके सीमेंट ने सामाजिक उत्तरदायित्व और सड़क सुरक्षा को जोड़ते हुए एक बेहद भावुक और अनुकरणीय कार्यक्रम का आयोजन किया। इस विशेष अभियान के तहत बहनों ने वाहन चालकों और भाइयों को तिलक लगाकर कलाई पर रक्षा सूत्र (राखी) बांधी, मिठाई खिलाई और उनकी जीवन रक्षा के लिए उपहार स्वरूप हेलमेट पहनाकर सड़क सुरक्षा की कसम दिलाई। कार्यक्रम में पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों की विशेष गरिमाभयी मौजूदगी रही, जिन्होंने जेके सीमेंट की इस पहल को समाज के लिए प्रेरणादायक बताया। सुरक्षा का अनोखा वजनरू बहनों ने भाइयों की कलाई पर राखी बांधने के साथ ही उनके रिए पर सुरक्षा कवच के रूप में हेलमेट पहनाया और उनसे हमेशा सुरक्षित वाहन चलाने का वचन लिया। राखी बांधने के बाद बहनों ने भाइयों का मुंह मीठा कराया और उन्हें यातायात नियमों के प्रति जिम्मेदार बनने तथा दोपहिया वाहन चलाते समय अनिवार्य रूप से हेलमेट पहनने की शपथ दिलाई।

मिठासन नदी तट पर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच संपन्न हुआ श्रावणी उपाकर्म

रक्षाबंधन पर श्रद्धालुओं ने किया दशविध स्नान, तर्पण व नवीन यज्ञोपवीत धारण

अमानगंज। श्रावण पूर्णिमा एवं रक्षाबंधन के पावन अवसर पर अमानगंज नगर की मिठासन नदी के तट पर श्रावणी उपाकर्म पर्व श्रद्धा, आस्था

और वैदिक परंपराओं के साथ मनाया गया। इस दौरान ब्राह्मण, क्षत्रिय एवं वैश्य समाज के लोगों ने प्रमुख रूप से सहभागिता करते हुए विधि-विधान से धार्मिक अनुष्ठान संपन्न किए। कार्यक्रम के दौरान वैदिक मंत्रोच्चार के बीच श्रद्धालुओं ने दशविध स्नान कर आत्मशुद्धि का संकल्प लिया। इसके

साथ ही जाने-अनजाने में हुए पापों के प्रायश्चित एवं आत्मशुद्धि के लिए संकल्प लिया गया। नदी तट पर देवताओं, ऋषियों एवं पितरों का विधिपूर्वक तर्पण और तिलांजलि भी अर्पित की गई। श्रावणी उपाकर्म की परंपरा के अनुसार श्रद्धालुओं ने पुराने जनक का विसर्जन कर नवीन यज्ञोपवीत धारण किया। पूरे

विद्यापीठ प्रतापगढ़ के विद्यार्थियों ने दी शानदार प्रस्तुति



नाटिकाओं के माध्यम से दिया धर्म और संस्कारों का संदेश, विद्यार्थियों का हुआ सम्मान

हरिभूमि न्यूज़ ►► **दमोह**

राजस्थान के प्रतापगढ़ से आए सम्मति प्राकृत विद्यापीठ के 40 विद्यार्थियों ने रक्षाबंधन के अवसर पर मुनिश्री श्रुतेश सागर जी एवं मुनिश्री सुश्रुत सागर जी महाराज के मंगल सान्निध्य में वृत्ति आश्रम, सिविल वार्ड स्थित मंच पर विभिन्न नाटिकाओं की शानदार प्रस्तुति दी। विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों ने उपस्थित श्रद्धालुओं का मन मोह लिया।विद्यापीठ के प्राचार्य विनय भैया के निदेशन में विद्यार्थियों ने ‘ब्रह्मगुलाल’ नाटिका का जीवंत

लक्ष्य टीम ने पेड़ों को राखी बांध दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश



हरिभूमि न्यूज़ ►► बटियागढ़

भाई बहिन के पवित्र बंधन रक्षाबंधन के शुभ अवसर पर लक्ष्य दमोह द्वारा विगत चार वर्षों से रोपित किए गए पौधों को राखी बांध कर मनाया। प्रांत प्रचारक एवं संगठन महामंत्री रूपेन्द्र सिंह ने बताया कि लक्ष्य ने जो विगत वर्षों में वृक्षारोपण किया था वह पौधे अब वृक्षों का रूप ले रहे हमारी टीम पौधों का रोपण कर समय समय पर उनकी निराई गुड़ाई एवं खाद दवाई पानी की व्यवस्था की जाती है जिससे पौधे सुरक्षित रूप से तेज विकास कर रहे हैं।

लक्ष्य दमोह द्वारा अभी तक शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल फतेहपुर,पुलिस चौकी फतेहपुर, आयुष केंद्र फतेहपुर,शासकीय पीएम श्री हायर सेकेंडरी स्कूल मनारोन,प्राथमिक शाला कनोरा रामनगर,नवीन माध्यमिक शाला

सबजेल हटा में भी कैदी भाइयों को बहनों ने बांधी राखी उपहार में पौधे भेंट कर दिया पर्यावरण का संदेश



हटा। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर सब जेल हटा में जेल विभाग की गाइडलाइन के अनुसार सुरक्षा और पुख्ता व्यवस्थाओं के साथ त्योहार मनाया गया।सब जेल अधीक्षक नागेंद्र सिंह के नेतृत्व में जेल और पुलिस स्टाफ की देखरेख में बहनों को कैदी भाइयों से मुलाकात कराई गई। बहनों ने भाइयों की कलाई पर राखी बांधी और भाइयों ने रक्षा का वचन दिया। इस बार खास बात यह रही कि बहनों को उपहार के बदले पौधे भेंट किए गए। यह दृश्य देखकर पर्यावरण संरक्षण और मन को शांति पहुंचाने का संदेश दिया गया।सब जेल अधीक्षक नागेंद्र सिंह विगत कई वर्षों से यहां पदस्थ हैं। उनके द्वारा हर वर्ष रक्षाबंधन और भाई दूज पर बेहतर व्यवस्थाएं की जाती हैं, ताकि कैदी और उनके परिजन त्योहार को सम्मान और शांति के साथ मना सकें।



रक्षाबंधन की खुशियां मातम में बदलीं, एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत बेटे के बाद रेलवे ट्रैक पर माता-पिता के शव मिले, आत्महत्या की आशंका



हरिभूमि न्यूज़►►दमोह

रक्षाबंधन के पर्व के बीच शुक्रवार को दमोह-बांदकपुर रेलखंड पर एक बेहद दर्दनाक घटनाक्रम सामने आया। धरमपुरा रेलवे फाटक के समीप ट्रेन की चपेट में आने से दंपती की मौत हो गई, जबकि कुछ दूरी पर करैया हजारी गांव के पास एक युवक का शव रेलवे ट्रैक पर मिला। मृतकों की पहचान करैया हजारी निवासी मुकेश अहिरवार (28) तथा उसके

माता-पिता भरत अहिरवार और उनकी पत्नी उमा के रूप में हुई है। एक ही परिवार के तीन सदस्यों की अलग-अलग स्थानों पर रेलवे ट्रैक पर मौत की खबर से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही आसपास के लोगों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। पुलिस की डायल-112 टीम, रेलवे सुरक्षा बल तथा जीआरपी पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार मुकेश अहिरवार का शव पहले

करैया हजारी गांव के पास मिला था। इसके बाद उसके माता-पिता के शव धरमपुरा रेलवे फाटक के समीप मिले। पुलिस को घटनास्थल के पास दंपती की मोटरसाइकिल भी खड़ी मिली है। पुलिस प्रथम दृष्टया इसे आत्महत्या का मामला मानकर जांच कर रही है।

बताया जा रहा है कि मृतक भरत अहिरवार जिला अस्पताल में गार्ड के रूप में कार्यरत थे। हालांकि परिवार द्वारा यह कदम

क्यों उठाया गया, इसका स्पष्ट कारण अभी सामने नहीं आया है। आर्थिक परेशानी और पारिवारिक विवाद की आशंका जताई जा रही है, लेकिन वास्तविक कारण पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

आरपीएफ थाना प्रभारी हरीश कुमार सारस्वत एवं जीआरपी पुलिस ने घटनास्थल पर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है।

सीतानगर बांध के 4 गेट खुलेंगे, सुनार नदी में बढ़ेगा जलस्तर

हरिभूमि न्यूज़►►दमोह

पंचम नगर बांध से 315 क्यूमेक्स पानी छोड़े जाने के बाद सीतानगर बांध में जल आवक बढ़ने की संभावना को देखते हुए जल संसाधन विभाग ने बांध के चार गेट खोलने का निर्णय लिया है। विभाग के अनुसार पंचम नगर बांध से छोड़ा गया पानी शुक्रवार शाम करीब 8 बजे तक सीतानगर बांध पहुंच गया। सीतानगर बांध में पहले से ही 113 क्यूमेक्स पानी की आवक हो रही है। पंचम नगर बांध से आने वाले पानी को मिलाकर शाम 8 बजे तक कुल आवक करीब 428 क्यूमेक्स होने

का अनुमान है। बांध का जलस्तर नियंत्रित रखने के लिए शाम 7 बजे चार गेटों को एक मीटर की ऊंचाई तक खोलने का निर्णय लिया गया है। इससे बांध से करीब 452 क्यूमेक्स पानी छोड़ा जाएगा।बांध से पानी छोड़े जाने के कारण सुनार नदी का जलस्तर बढ़ने की संभावना है। इसे देखते हुए जल संसाधन विभाग ने बांध के डाउनस्ट्रीम क्षेत्र में आने वाले ग्रामों के लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है।

इन गांवों में बढ़ेगा खतरा

सीतानगर, मडकोला, पिपरिया मिसर, खेजरा कबीरपुर,

बेलापुरवा, देवकर कुशवाहा, भदभदा हरंत, जमुनिया एवं हटा क्षेत्र में नदी के जलस्तर में वृद्धि हो सकती है।जल संसाधन विभाग ने आमजन से अपील की है कि नदी के तटबंधों से पर्याप्त दूरी बनाए रखें तथा पुल-पुलियों से आवागमन करते समय विशेष सावधानी बरतें। अचानक बढ़ते जलस्तर को देखते हुए नदी या जलभराव वाले क्षेत्रों में जाने से बचने की सलाह भी दी गई है।यह सूचना कार्यालयन यंत्री, जल संसाधन संभाग दमोह के आदेशानुसार संबंधित अधिकारियों एवं आमजन के लिए जारी की गई है।

बहनों ने भाइयों की कलाई पर बांधा प्रेम का धागा



सुबह बहनों ने स्नान कर भगवान की पूजा-अर्चना की और थाली में कुमकुम, अक्षत, दीया और राखी सजाकर भाई की आरती उतारी। भाइयों ने भी बहनों को रक्षा का वचन देकर उपहार भेंट किए। वहीं रक्षाबंधन पर ससुराल से मायके आई बहनों से पूरा नगर गुलजार रहा। बस स्टैंड और ऑटो स्टैंड पर सुबह से ही भीड़ देखी गई। कई भाई अपनी बहनों को लेने के लिए बस स्टैंड पहुंचे तो कई बहनें अपने बच्चों के साथ मायके पहुंचकर खुश नजर आईं।

जागेश्वरनाथ मंदिर बांदकपुर की पावन बावड़ी में श्रद्धा एवं वैदिक परंपरा के साथ मनाया गया श्रावणी उपाकर्म

हरिभूमि न्यूज़►►दमोह

श्री देव जागेश्वरनाथ जी मंदिर, बांदकपुर के पवित्र एवं ऐतिहासिक परिसर में स्थित पावन बावड़ी में श्रावणी उपाकर्म का वैदिक एवं धार्मिक आयोजन श्रद्धा, भक्ति और सनातन वैदिक परंपराओं के अनुरूप संपन्न हुआ। इस पावन अवसर पर जिलेभर से पहुंचे ब्राह्मणों एवं वैदिक परंपरा के अनुयायियों ने सहभागिता करते हुए विधि-विधान से श्रावणी उपाकर्म संपन्न किया।संपूर्ण कार्यक्रम श्री देव जागेश्वरनाथ जी मंदिर ट्रस्ट के प्रबंधक आचार्य पंडित रामकृपाल पाठक शास्त्री जी महाराज के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।इस अवसर पर उपस्थित सभी विप्रजनों एवं श्रद्धालुओं ने वैदिक संस्कृति, संस्कारों एवं सनातन परंपराओं के संरक्षण और संवर्धन का संकल्प लिया। श्रावणी उपाकर्म सनातन वैदिक परंपरा का अत्यंत महत्वपूर्ण धार्मिक संस्कार एवं पर्व है। यह पर्व विशेष रूप से वेदाध्ययन, आत्मशुद्धि, ऋषि परंपरा के स्मरण तथा नवीन संकल्प के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है।श्रावणी उपाकर्म के माध्यम से व्यक्ति अपने जीवन में ज्ञान, संयम, सदाचार और



धर्म के मार्ग पर चलने का संकल्प लेता है।यह पर्व हमें हमारे महान ऋषियों, मुनियों एवं वैदिक आचार्यों द्वारा स्थापित उस महान ज्ञान परंपरा का स्मरण कराता है, जिसने भारतीय संस्कृति को युगों-युगों तक दिशा प्रदान की है।श्रावणी उपाकर्म के अवसर पर वैदिक मंत्रों के माध्यम से आत्मशुद्धि एवं धार्मिक कर्तव्यों के प्रति जागरूकता का संदेश दिया जाता है।इस अवसर पर जाने-अनजाने में हुई त्रुटियों एवं दोषों के प्रति प्रायश्चित्त भाव रखते हुए नवीन ऊर्जा एवं नवीन संकल्प के साथ वैदिक अध्ययन तथा धार्मिक जीवन की ओर अग्रसर होने की प्रेरणा प्राप्त होती है।श्रावणी उपाकर्म केवल एक धार्मिक

कर्मकांड नहीं है, बल्कि यह भारतीय संस्कृति, संस्कार और ज्ञान की उस महान परंपरा का प्रतीक है, जिसने हजारों वर्षों से समाज को धर्म, ज्ञान, नैतिकता और सदाचार का मार्ग दिखाया है।श्री देव जागेश्वरनाथ जी मंदिर, बांदकपुर परिसर में स्थित पावन बावड़ी में आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम का विशेष महत्व रहा। भारतीय संस्कृति में जल को अत्यंत पवित्र एवं जीवनदायी माना गया है।वैदिक संस्कारों एवं धार्मिक अनुष्ठानों में पवित्र जल के माध्यम से शुद्धि, संकल्प और आत्मिक पवित्रता की परंपरा प्राचीन काल से चली आ रही है।इसी पवित्र भाव के साथ बावड़ी के समीप वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान से

श्रावणी उपाकर्म संपन्न कराया गया।कार्यक्रम में संस्कृत विद्यालय के प्रधानाचार्य पंडित कुंजीलाल डिम्हा द्वारा वैदिक मंत्रों का सस्वर एवं शुद्ध उच्चारण करते हुए संपूर्ण धार्मिक कर्म संपन्न कराया गया।उनके मंत्रोच्चार से श्री देव जागेश्वरनाथ जी मंदिर परिसर एवं पावन बावड़ी का वातावरण पूर्णतः आध्यात्मिक एवं वैदिकमय हो गया।उपस्थित विप्रजनों ने पूरे श्रद्धा भाव के साथ धार्मिक कर्मों में सहभागिता की तथा वैदिक परंपराओं के संरक्षण एवं उनके प्रचार-प्रसार का संकल्प लिया।मंदिर ट्रस्ट के प्रबंधक आचार्य पंडित रामकृपाल पाठक शास्त्री महाराज के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में सनातन धर्म की प्राचीन वैदिक परंपराओं का विधिद्वार निर्वहन किया गया।उन्होंने कहा कि श्री देव जागेश्वरनाथ जी मंदिर, बांदकपुर परिसर में स्थित पावन बावड़ी में आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम का विशेष महत्व रहा। भारतीय संस्कृति में जल को अत्यंत पवित्र एवं जीवनदायी माना गया है।वैदिक संस्कृत, वेद, वैदिक संस्कृति और भारतीय सनातन परंपराओं के संरक्षण एवं संवर्धन का भी महत्वपूर्ण केंद्र है।मंदिर ट्रस्ट द्वारा समय-समय पर ऐसे धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन किए जाते हैं, जिनके माध्यम से समाज एवं विशेष रूप से नई पीढ़ी को अपनी

स्वास्थ्य केंद्र मडियादो में प्रसव के बाद नवजात की मौत, नाराज परिजनों ने किया हंगामा

कार्यवाही की मांग को लेकर चौरईया जटाशंकर मार्ग पर लगाया जाम

हरिभूमि न्यूज़►►हटा

सिविल अस्पताल सहित क्षेत्र के स्वास्थ्य केंद्रों में कर्मचारियों की लापरवाही थमने का नाम नहीं ले रही है जिसका खामियाजा लोगों को परिजनों की मौत से भुगतना पड़ रहा है ऐसा ही लापरवाही का मामला मडियादो प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में देखा गया जहां स्वास्थ्य केंद्र मडियादो में प्रसव करने आई गर्भवती महिला के प्रसव उपरांत नवजात बच्चे की मौत हो गई। जिससे नाराज परिजनों ने अस्पताल परिसर में हंगामा किया और स्टॉफ नर्सों पर लापरवाही के आरोप लगाते हुए कार्यवाही की मांग की और कुछ समय बाद परिजन महिलाएं नवजात का शव गोदी में रखकर चौरईया सड़क मार्ग पर बैठकर चक्काजाम कर दिया जिससे घंटों जाम के हालात बने रहे दोनो वाहनों की कतारें लगी गईं।

जानकारी के अनुसार मडियादो प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में परिजनों द्वारा प्रसूता मिथलेश राजपाली 23 पति प्रदीप राजपाली को गुरुवार सुबह करीब 8 बजे प्रसव पीड़ा के



बाद मड़ियादो स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराय़ा गया था।उनका आरोप है कि दिनभर प्रसव पीड़ा बढ़ती रही। महिला की हालत और दर्द को देखते हुए परिजनों ने कई बार जांच कराने और ज़रूरत पड़ने पर उच्च स्वास्थ्य केंद्र रेफर करने की मांग की, लेकिन

उन्हें सामान्य प्रसव होने का भरोसा दिया जाता रहा। रात करीब 8:30 बजे प्रसव हुआ, लेकिन नवजात मृत पैदा हुआ। इसके बाद परिवार में खुशी की जगह मातम छा गया। परिजनों का आरोप है कि यदि महिला को समय रहते बेहतर

स्वास्थ्य सुविधा वाले केंद्र पर रेफर किया जाता तो संभव है कि नवजात की जान बचाई जा सकती थी। हालांकि, मौत की वास्तविक वजह और उपचार में किसी स्तर पर लापरवाही हुई या नहीं, यह जांच के बाद ही स्पष्ट होगा। जिससे आक्रोशित परिजनों द्वारा अस्पताल के समीप चौरईया मार्ग पर धरना प्रदर्शन कर चक्का जाम कर दिया। प्रदर्शन की सूचना पर तहसीलदार उमेश तिवारी बीएमओ डॉक्टर उमाशंकर पटेल, मडियादो थाना प्रभारी प्रीति पांडे पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचकर परिजनों व ग्रामीणों को जांच कार्यवाही का आश्वासन देकर जाम खुलवाया गया।

करुणा, सहनशीलता और परपीड़ा में संवेदना ही धर्म की महानता: निर्यापक श्रमण मुनि श्री समता सागर महाराज

हरिभूमि न्यूज़►►कुण्डलपुर

धर्म की महानता इसी में है कि अपनी आपत्ति-विपत्ति को समता और शांति से सहन किया जाए, लेकिन दूसरों पर आई आपत्ति-विपत्ति को देखकर शांत और चुप न बैठा जाए, बल्कि उनकी सहायता और संरक्षण के लिए तत्पर हुआ जाए। उपरोक्त उद्धार निर्यापक श्रमण मुनि श्री समतासागर जी महाराज ने रक्षाबंधन वात्सल्य पर्व के अवसर पर धर्मसभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किये,मुनि श्री ने कहा कि अपनी पीड़ा पर तो कोई भी आँसू बहा लेता है और अपनी पीड़ा से पशु भी कराह उठता है, लेकिन जो पराई पीड़ा पर अपनी आँखों से नीर बहा दे, वह केवल इंसान नहीं,बल्कि धरती पर रहने वाला देवता है।अपनी पीड़ा में सुदृढ़ बने रहना और दूसरों की पीड़ा को देखकर द्रिष्ट होकर उनकी सहायता के लिए आगे आना धर्म की गहराई और सुक्ष्मता की प्रकट करता है। संत और नवनीत में यही अंतर है। नवनीत अपने ऊपर आई हुई आँच से पिघलता है, जबकि संत अपने

ऊपर आई कठिनाइयों में सुदृढ़ रहते हैं और दूसरों पर आई विपत्ति देखकर द्रवित हो जाते हैं।मुनि श्री ने आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के जीवन का स्मरण करते हुए कहा कि उनके जीवन में बड़ी से बड़ी बाधाएँ आईं, स्वास्थ्य प्रतिकूल हुआ और अनेक बीमारियाँ आईं, लेकिन अपनी बीमारी और व्याधि में वह अत्यंत मजबूत दिखाई दिए। आचार्य श्री कहते थे—“हाँ, ठीक हो जाएगा। सब ठीक हो जाएगा। कोई सेवा करने जाये तो कह देते नहीं-नहीं, कोई जरूरत नहीं।”

मुनिश्री ने कहा कि अपनी परेशानियों में आचार्य श्री मजबूत और कड़क दिखते थे, लेकिन संघ के किसी साधु, त्यागी-व्रती, आर्थिका, मुनि, आचार्य या पिच्छीधारी को कोई असुविधा हो जाए और उसका समाचार उन्हें मिल जाए तो वे तुरंत द्रवित होकर उनकी क्षेम-कुशल की चिंता करते थे। वे आवश्यक निर्देश देकर सहायता और संरक्षण की व्यवस्था कराते थे।मुनि श्री ने कहा कि सामान्य गृहस्थ भी यदि व्यापार की परेशानी, बीमारी, वृद्धावस्था या



विकलांगता से पीड़ित होकर आचार्य श्री की दृष्टि में आ जाता, तो वे तुरंत रुककर उसे करुणा और आशीर्वाद प्रदान करते थे। अपरिचित व्यक्ति भी यदि किसी परेशानी में होता और आचार्य श्री की नजर उस पर पड़ जाती, तो वे अपनी करुणा बरसाते थे। करुणा योग्यता देखकर नहीं, पीड़ा देखकर जागती है। उन्होंने कहा कि कुण्डलपुर महामहोत्सव जैसे अत्यंत व्यस्त अवसरों पर भी जैन और जैनतर बंधु यदि आचार्य श्री का आशीर्वाद प्राप्त करने की भावना से आते थे, तो ऐसे अनेक प्रसंग हैं जब संदेश पहुंचाकर उन्हें आशीर्वाद दिलाया गया और आचार्य श्री ने

प्रसन्नतापूर्वक अपनी करुणा प्रदान की।मुनि श्री ने कहा कि करुणा का विस्तार सभी प्राणियों तक होना चाहिए। रक्षाबंधन का यह पर्व सभी में करुणा, स्नेह और वात्सल्य जगाए, ताकि परिवार, रिश्तेदार, समाज तथा जैन-जैनतर सभी समुदाय एक-दूसरे के प्रति सद्भाव रखें और सहयोग के लिए तत्पर रहें।उन्होंने कहा कि प्रत्येक प्राणी में करुणा, वात्सल्य और स्नेह का संचार हो। हम प्रतिदिन प्रातःकाल संपूर्ण प्राणी-जगत के प्रति यह भावना करें—“सुखी रहे सब जीव जगत के, कोई कभी न घबराए, बैर, पाप, अभिमान छोड़ जग, नित नए मंगल गाए।

मुनि श्री ने कहा कि जिस प्रकार गणोत्कार मंत्र हमारे परिणामों को शुद्ध करता है, उसी प्रकार यह भावना भी हमारे परिणामों को शुद्ध करेगी। इससे प्रकृति का वातावरण हरा-भरा होगा, पर्यावरण सुरक्षित रहेगा और लोगों में सद्भावना का संचार होगा।उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन का पर्व सांस्कृतिक विरासत और भावनाओं से आगे बढ़कर सामाजिक स्वरूप ग्रहण कर

चुका है। बहन भाई की कलाई पर रक्षासूत्र बाँधकर स्नेह और विश्वास व्यक्त करती है, वहीं भाई भी सदैव बहन का साथ देने और उसकी रक्षा करने का संकल्प लेता है। मुनि श्री ने कहा कि भाई-बहन के बीच रक्षाबंधन की यह परंपरा अब एक व्यापक सामाजिक भावना बन गई है। इसका विस्तार परिवार तक सीमित न रहकर समूचे समाज और सभी समुदायों तक होना चाहिए। हमें एक-दूसरे की रक्षा, सम्मान, सहयोग और संवेदना का संकल्प लेना चाहिए। यही रक्षाबंधन पर्व की वास्तविक सार्थकता और धर्म की सच्ची महानता है।

भक्तामर महामंडल विधान,बड़े बाबा के चरणों का अभिषेक एवं शांतिधारा संपन्न हुई। इस अवसर पर मुनि श्री पवित्रसागर जी, ऐलक श्री निश्रय सागर जी, ऐलक श्री निजानंदसागर जी,ऐलक श्री चैत्यसागर जी महाराज सहित समस्त ऐलक क्षुल्लक महाराज संघ सहित विराजमान थे। बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्त,कुण्डलपुर क्षेत्र कमेटी पदाधिकारी सदस्यों की उपस्थिति रही।

श्री शांतिनाथ महामंडल विधान संपन्न चक्रवर्ती की दिग्विजय यात्रा आज



दमोह। नगर के श्री पारसनाथ दिगंबर जैन नन्हें मंदिर जी में आयोजित 16 दिवसीय श्री शांतिनाथ महामंडल विधान शुक्रवार को भक्ति भाव के साथ संपन्न हुआ. शनिवार 29 अगस्त को विश्व शांति महायज्ञ के बाद भरत चक्रवर्ती की दिग्विजय यात्रा निकाली जाएगी। आचार्य श्री विद्यासागर जी एवं समय सागर जी के मंगल आशीर्वाद से आर्थिका रत्न चिंतनमति, सारमती एवं जागृतमति माताजी के संसंघ सानिध्य में नन्हें मंदिर स्थित त्रिमुर्ति जिनालय परिसर में 12 से 28 अगस्त तक श्री 1008 शांतिनाथ महामंडल विधान का भव्य आयोजन किया गया. इस अवसर पर बनाए गए तीन भव्य समवशरण के समक्ष ब्रह्मचारी स्वतंत्र भैया एवं रोहित भैया के निर्देशन में प्रतिदिन मंडल पर महापात्रों के साथ इंद्र इंद्राणियों ने अर्घ्य समर्पित करके विधान पूजन किया। अंतिम दिवस प्रातः बेला में श्री जी के अभिषेक शांति धारा पूजन उपरांत विधान पूजन प्रारंभ हुआ तत्पश्चात आर्थिका चिंतनमती एवं सारमति माताजी के मुखारविंद से रक्षाबंधन पूजन के साथ मंडल पर 700 अर्घ्य समर्पित किए गए. इस अवसर पर माताजी ने जैन दर्शन के अनुसार रक्षाबंधन के महत्व को बताते हुए जैन मुनियों पर आए उपसर्ग और उसके निवारण से जुड़े प्रसंग को बताते हुए कहा कि रक्षा का अर्थ धर्म की रक्षा से और बंधन का अर्थ धर्म के बंधन करने से जुड़ा हुआ है. इस अवसर पर पूज्य माताजी को श्रावक जनों द्वारा भक्ति भाव से निर्मित की गई राखियां समर्पित की गईं। महायज्ञ एवं दिग्विजय यात्रा आज- 16 दिवसीय श्री शांतिनाथ महामंडल विधान के संपन्न होने के पश्चात 29 अगस्त को प्रातः श्री जी के अभिषेक शांति धारा नित्य पूजन उपरांत 16 कारण पूजन संपन्न होगा तत्पश्चात विश्व शांति महायज्ञ को आहुति के साथ संपन्न किया जाएगा.. नन्हें मंदिर कमेटी के अध्यक्ष नवीन निराला ने बताया कि सुबह 9 बजे भरत चक्रवर्ती की दिग्विजय यात्रा निकाली जाएगी. जो सिटी नल से प्रारंभ होकर पुराना थाना टॉकीज घंटाघर नया बाजार होते हुए जैन धर्मशाला से कार्यक्रम स्थल पहुंचकर संपन्न होगी. दिग्विजय यात्रा में भरत चक्रवर्ती का रथ आकर्षण का केंद्र रहेगा वहीं तीन अन्य रथो पर सौधर्म इंद्र भी परिवार सहित सवार रहेंगे. आर्थिका संघ का सानिध्य शोभा यात्रा के दौरान प्राप्त होगा. मंदिर कमेटी के महामंत्री राकुकुमार रानू ने सकल जैन समाज से दिग्विजय यात्रा में शामिल होकर धर्म प्रभाव न किया अपील की है।

